

216

न्यायालय : राजस्व मंडल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रं.

निगरानी

निग-495-II-16

प्रताप सिंह पुत्र श्री जगनन्नाथ सिंह
निवासी- बितालीपुरवा ,लवकुशनगर,
तहसील-लवकुश नगर, जिला -छतरपुर,
(म0 प्र0)

-आवेदक

बनाम

हल्के सिंह पुत्र श्री ठिल्ली सिंह
निवासी- बितालीपुरवा ,लवकुशनगर,
तहसील-लवकुश नगर, जिला -छतरपुर,
(म0 प्र0)

- अनावेदक

दिनांक 5-2-16 को
श्री सुभाष सक्सेना मोमो
इला प्रस्तुत।

5-2-16
50

Sukhdev Saksena
5-2-16

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म0प्र0भू0रा0 संहिता 1959 के विरुद्ध आदेश दिनांक 22.

12.2015 द्वारा पारित अनुविभागिया अधिकारी लवकुश नगर / गोरिहार, छतरपुर म.

प्र. प्रकरण क्रमांक 79/अपील/2015-16

माननीय महोदय,

आवेदक की निगरानी निम्नलिखित है:-

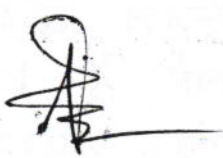
1. यहकि, प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि, आवेदक ने अनुविभागीय अधिकारी लवकुशनगर छतरपुर के समक्ष प्रकरण क्रं0 378/बी-121/1995-96 में पारित आदेश दिनांक 3-11-1996 के विरुद्ध एक निगरानी प्रस्तुत की उक्त निगरानी के साथ धारा 5 अवधि विधान का आवेदन शपथ पत्र के साथ पेश किया जिसे अनुविभागिय अधिकारी ने पंजीवृत कर दिनांक 22.12.2015 को बगैर रिकॉर्ड देखे प्रारम्भिक सुनवाई में ही निगरानी को अपील को अग्राह्य मानते हुये निगरानी निरस्त कर दी ।

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ द्वारपुर
 प्रकरण क्रमांक. नि.ग. 495/11/16 जिला
 प्रनाप / हलके

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
29/3/16	<p>मैंने आवेदक के विद्वान अधिवक्ता के ग्राह्यता पर तर्क सुने और नस्ती का परिशीलन किया।</p> <p>यह स्पष्ट है कि आश्रयित आदेश दि 22-12-15 में SDO ने समयपत्र को पत्रसमर्थन का समुचित अवसर देने और प्रकरण को समाप्त करने के बाद, बोलते और विस्तृत स्वरूप में अपना निर्णय लिया है। उन्होंने अपने आदेश में यह स्पष्ट किया है कि वर्ष 1996 के नवम्बर न्या. के आदेश की जानकारी अपीलकर्ता आवेदक को क्यों और कैसे थी। इस प्रकार स्पष्ट आधारों पर उन्होंने 19 वर्ष के विलम्ब को माफ़ी योग्य नहीं पाने का निष्कर्ष निकाला है। इस न्यायालय के समक्ष आवेदक निगरानार की ओर से SDO के निष्कर्ष और उसके आधारों के खण्डन में कोई लेन और स्पष्ट कारण और आधार पेश नहीं किए गए हैं।</p>	

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>इस सब के प्रकाश में मैं SDO के आश्रयित आदेश दि 22-12-15 को सही पाता हूँ, इसमें किसी एम्प्लॉय की आवश्यकता नहीं सम्मति और यह निगरानी अग्रही करना है।</p> <p>आदेश पारित। पत्रकार सूचित हों। प्रकरण समाप्त। क. क. हें।</p>	

M